



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 7, 1984/पौष 17, 1905

No. 9]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 7, 1984/PAUSA 17, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1984

का०आ० 9(अ):—केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि चाय के, जो एक आवश्यक वस्तु है, प्रसार को बनाए रखने के लिए और उसका सामग्र्यपूर्ण वितरण सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थातः

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम चाय (व्यवहारियों का रजिस्ट्रेशन और स्टॉकों की घोषणा) आदेश, 1983 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं :—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'कमीशन अभिकर्ता' से ऐसा कमीशन अभिकर्ता अभिप्रेत है जिसे ऐसे अभिकर्ता के रूप में कारबार के रुढ़िक अनुक्रम में चाय बेचने का या

चाय बेचने के प्रयोजनों के लिए चाय को परेषित करने का, या चाय खरोदने का प्राधिकार प्राप्त है ;

(ख) "व्यवहारो" से चाय का व्यवहारो अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत दाल, कमीशन अभिकर्ता, विनिर्माता और गोदाम रक्षक भी है ;

(ग) 'राज्य आदेश' से आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) के उपबन्धों के अधीन किसी राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा चाय के संबंध में जारी किया गया और तत्समय प्रवृत्त आदेश अभिप्रेत है ;

(घ) 'चाय' से कमेनिया साइनेचर (एन) ओ कुन्तजे नामक पौधे, और साथ ही उक्त पौधे का रसियों तथा उपार्ध को, जो वाणिज्य जगत में चाय के नाम से, जिसके अन्तर्गत हरी चाय भी है, ज्ञात है, समाहित अभिप्रेत हैं ;

(ड) 'गोदान रक्षक' से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके स्वामित्व में ऐसा कोई गोदान हो या ऐसा कोई गोदान बनाए रखा हो जहाँ नोनाम द्वारा अथवा अन्य प्रकार से विक्री के प्रयोजनार्थ चाय का संचालन किया जाता है ;

(च) यहाँ प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित शब्दों और पदों के बड़े अर्थ होंगे जो उन्हें क्रमशः चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 20) में दिए गए हैं।

3. व्यावहारिकों का रजिस्ट्रीकरण:—किसी राज्य आदेश में किसी वस्तु के होने हुए भी, इस आदेश के प्रवृत्त होने से 30 दिन की अवधि का अवसान होने के पश्चात कोई व्यक्ति, यदि उसके कब्जे में चाय का 1000 किलोग्राम से अधिक स्टॉक हो तो, व्यावहारी के रूप में तब तक कोई कारखाना नहीं करेगा जब तक कि वह राज्य आदेश के उपबंधों के अनुसार इस रूप में रजिस्ट्रीकृत नहीं।

4. विवरणियों: प्रत्येक व्यावहारी ऐसे पाक्षिकों को, जिसे राजपत्र में अधिगृहणा द्वारा इस निमित्त राज्य सरकारें विनिर्दिष्ट करें, अपने द्वारा रखी गई चाय के उतने स्टॉक को, जितना 1000 किलोग्राम से अधिक हो, एक पाक्षिक विवरणी देगा।

5. राज्य आदेशों का लागू होना:—राज्य आदेशों के उपबंध ऐसे किसी मामले को बाधन लागू होंगे जिसके लिए इस आदेश में विनिर्दिष्टता कोई भी उपबंध नहीं किया गया है।

6. निरसन तथा व्याप्ति:—(1) चाय (व्यावहारिकों का रजिस्ट्रीकरण और स्टॉकों की घोषणा) आदेश, 1983 का एतद्वारा निरसन किया जाता है।

(2) परन्तु चाय (व्यावहारिकों का रजिस्ट्रीकरण और स्टॉकों की घोषणा) आदेश, 1983 के अंतर्गत जारी किया गया कोई भी आदेश या को गई कोई भी कार्यवाही इस आदेश के उपबंधों के अंतर्गत जारी किया गया या की गई समझी जाएगी।

[फा० सं० बी-11015(4)/83-प्लांट (अ)]  
जे०के बागची, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

### ORDER

New Delhi, the 7th January, 1984

S.O. 9(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies of tea, an essential commodity, and for securing its equitable distribution:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) This Order may be called the Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Order, 1984.

(2) It shall come into force at once.

2. Definitions:—In this Order, unless the context otherwise requires;

- (a) "commission agent" means a commission agent having in the customary course of business as such agent authority either to sell tea, or to consign tea for the purpose of sale or to buy tea;
- (b) "dealer" means a dealer in tea, and includes a broker, commission agent, manufacturer and a warehouse keeper;
- (c) "State Order" means any Order issued by any State Government or Union Territory Administration under the provisions of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), in relation to tea and in force for the time being;
- (d) "tea" means the plant *Camellia Sinensis*(L.) O. Kuntze as well as all varieties of the product known commercially as tea made from leaves of the said plant, including green tea;
- (e) "warehouse keeper" means a person who owns or maintains a warehouse wherein tea is stored for the purposes of sale either by auction or otherwise;
- (f) words and expressions, used but not defined herein shall have the meanings respectively assigned to them in the Tea Act, 1953 (29 of 1953).

3. Registration of dealers.—Notwithstanding anything contained in any State Order, after the expiration of a period of 30 days from the coming into force of this Order, no person shall, if the stocks of tea in his possession exceed 1,000 kilograms, carry on business as a dealer unless he is registered as such in accordance with the provisions of a State Order.

4. Returns.—Every dealer shall furnish fortnightly returns to such authority as may be specified by the State Governments in this behalf by notification in the Official Gazette in respect of such stocks of tea held by him as are in excess of 1,000 kilograms.

5. State Orders to apply.—The provisions of the State Orders shall apply in respect of any matter for which no provision has been specifically made in this Order.

6. Repeal and Saving.—(1) The Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Order, 1983, is hereby repealed.

(2) Provided that any Order issued and any action taken under the Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Order, 1983 shall be deemed to have been issued or taken under the provisions of this Order.

[File No. B-11015(4)/83-Plant(A)]

J. K. BAGCHI, Jt. Secy.